

Question number and subsection number inside the boxes  
प्रश्न में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

PART - A

1 A

सामान्यतः ऊँचाई पर जाने से ताप में कमि आती है परन्तु जब वायुमंडल में निम्न-निचली घत पर ठंडी वायु बँध जाती है तो ~~सब~~ ऊँचाई ~~में~~ के साथ ~~सब~~ पहले तापमान में कमी फिर वृद्धि होती है इसे वापीय प्रति लोम कहते हैं परिणाम स्वरूप उन्निचवाती दशाएं उत्पन्न होती हैं

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

L B

मिश्रित कृषि - जब ~~किसी~~ कृषि में उत्पादन गतिविधि के साथ साथ पशुपालन किया जाता है तो उसे मिश्रित कृषि कहते हैं

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

1 C

आपदा के पश्चात प्रभावित क्षेत्रों में जन धन की हानि होती है ~~उसे~~ ~~तो~~ ऐसी स्थिति में प्रभावित लोगों को आर्थिक सहायता शारीक साथ मानसिक रूप से ~~उसे~~ सुदृढ बनाने का प्रयत्न किया जाना है ~~उसे~~ साथ तथा प्रभावितों की पुनः अन्य स्थानों पर प्रतिस्थापित किया जाना है इसे राहत व पुनर्वास कहते हैं

Do not write beyond this line  
इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें



Fill question number and subsection number inside the boxes  
बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

1 1

सापेक्ष आर्द्रता वायु में जलवाष्प की मात्रा तथा क्षमता वायु में जलवाष्प की मात्रा का अनुपात है जो सापेक्ष आर्द्रता है

1 1

सापेक्ष आर्द्रता जलवाष्प की मात्रा का अनुपात है जो सापेक्ष आर्द्रता है

1 1

सापेक्ष आर्द्रता जलवाष्प की मात्रा का अनुपात है जो सापेक्ष आर्द्रता है

1 1

सापेक्ष आर्द्रता जलवाष्प की मात्रा का अनुपात है जो सापेक्ष आर्द्रता है

1 1

ठंडाई में वृद्धि के साथ तापमान बढ़ेगा

1 1

जलवाष्प के लिए सापेक्ष आर्द्रता में वृद्धि

1 1

सापेक्ष आर्द्रता 100%

1 1

आर्द्रता

1 1

जेट पवने - क्षोभ मंडल के ऊपर तथा समतल

1 1

मंडल के निचले भाग में पश्चिम

1 1

से पूर्व दिशा की ओर बहने वाली शक्ति

1 1

पृथ्वी में बहने वाली पवनों को जेट पवने

कहते हैं

जेट पवने भारतीय जलवायु को उभावित

करने वाले कारकों में से एक हैं

1 f

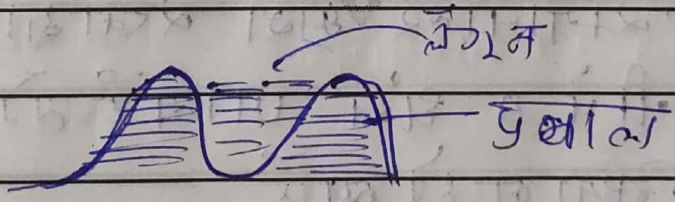
अवनलिका - जब नीचे वाली से लहरी हुई अपरदन नदी बल धारा द्वारा चट्टानों को तथा मृदा की ऊपरी परत को काटकर बाहरे भूखण्डों का निर्माण कर दिया जाता है तो उसे अवनलिक अपरदन कहते हैं।

मिट्टि प्रभाव - मिट्टी का अपरदन

उदा. - सर्वेस की चकल नदी द्वारा निर्मित लीच झूमि

2 d

संगम - प्रवाल भित्री द्वारा निर्मित संरचना जब प्रवाल किसी द्वीप के समीप विकसित होती है तथा तब व प्रवाल द्वीप के बीच लगभग समान संरचना बन जाती है। रिंग के समान संरचना



3 m

शल्किडो - सूर्य द्वारा पृथ्वी पर पृथ्वी पर सूर्य द्वारा प्राप्त विकिरण तथा परावर्तित विकिरण के अनुपात को शल्किडो कहते हैं।

शल्किडो =  $\frac{\text{पृथ्वी पर प्राप्त विकिरण}}{\text{पृथ्वी परावर्तित विकिरण}}$  = 35%

सूर्य से आपतित विकिरण



Leave Blank  
 रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
 रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line  
 इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Leave Blank  
 रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
 रिक्त छोड़ें

T

गांधी स्टांगर लॉथ

म.प. के मंदनोर जिले में

चवल नदी पर स्थापित

1960 में प्रवाह मात्रा में एक क्षति  
 115 MW विद्युत ऊर्जा उत्पादक क्षमता

J

सौर्यिक स्थिरांक -

K

मुंशोत्थ पर्वत -

जब दो खसियों के बीच  
 का भाग नीचे घुस जाते तो मुंशोत्थ  
 पर्वत का निर्माण हो जाता है

उदा. भारत - विन्ध्य पर्वत

यूरोप - ब्लैक फोरैस्ट का लोरेनस पर्वत

L

नर्मदा और वापी पर्वत के मुख्य नदियाँ हैं



1 M

टैक्स को सन्तान के रूप में दे दिया जाएगा।  
 सागर था जो पिछले 300 करोड़ वर्षों में वैश्विक  
 बेगानर ने महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत  
 को अंगीकार दिया।

□ □

यह भूस्थिति विज्ञान के विकास के मध्य अवधि थी।

□ □

भूमध्यसागर टैक्स सागर का अवशेष है।

2 N

अंतः कर्ण कर्तव्यीय अभिसरण क्षेत्र -

□ □

- निम्न वायु दबाव का क्षेत्र

□ □

- उत्तर व दक्षिणी गोलार्ध की

□ □

व्यापारिक पवनों का अभिसरण क्षेत्र

□ □

- वायु की उर्वर धर परिवहन होता है

□ □

- ITCZ के उत्तरायन के परिणाम

□ □

स्वरूप चक्रवातों की उत्पत्ति होती है

10

शर्य गहनता - ये मापक है - किसी क्षेत्र

□ □

विशेष एक निश्चित समयान्तराल में

□ □

उगई जाने वाली कसलों की संख्या

□ □

शर्य गहनता =  $\frac{\text{सकल बोया गया क्षेत्र}}{\text{कुल बोया गया क्षेत्र}}$

□ □

भारत की शर्य गहनता = 138%

□ □

म.प. की शर्य गहनता = 155%

म.प. की शर्य गहनता = 155%

म.प. की शर्य गहनता = 155%

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line  
इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

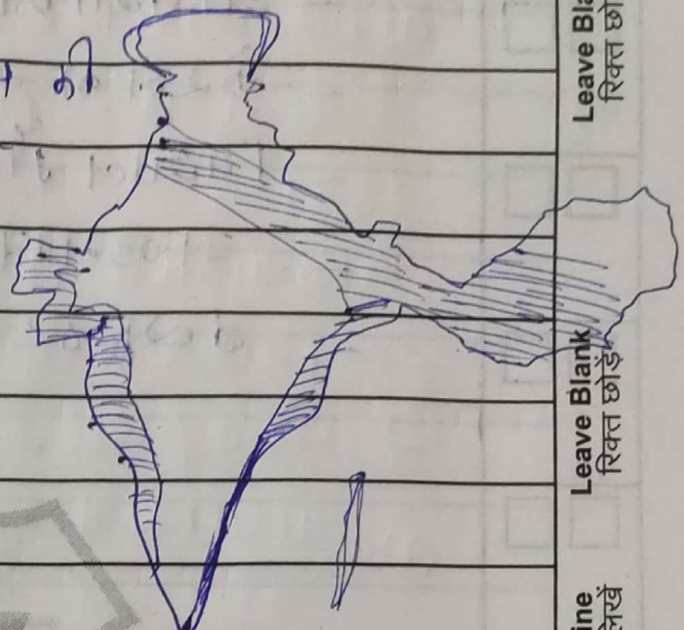
<input checked="" type="checkbox"/> <input type="checkbox"/> 2(1)	भारत में कोयला का निक्षेप का मुख्य रूप से गोडवाना व टर्शियरी काल की चट्टानों में हुआ है
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	<div style="display: flex; align-items: center;"> <div style="border: 1px solid black; padding: 5px; margin-right: 20px;">                     भारत                      कोयला उत्पादक क्षेत्र                 </div> <div style="font-size: 2em;">}</div> <div style="margin-left: 20px;">                     विटुमिनस                      स्थायित्व                      लिग्नाइट                      पीट                 </div> </div>
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	<div style="display: flex; justify-content: space-around; align-items: center;"> <div style="text-align: center;"> <input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>                  गोडवाना 98%                  भंडार             </div> <div style="text-align: center;"> <input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>                  टर्शियरी 2%                  भंडार             </div> </div>
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	<div style="display: flex; justify-content: space-between;"> <div style="width: 45%;"> <p>① <u>झारखंड</u> - दामोदर घाटी, शरिया, गिरिदिह, बोकारो</p> <p>② <u>दिल्ली</u> - कोयलाखाना, गानापानी, शमकोला</p> <p>③ <u>म.प्र.</u> - सोनभद्रपुर, सिंगरौली, कान्हा, पेच, मोरपानी</p> <p>④ <u>ओडिशा</u> - नवचर (ब्राह्मणी नदी घाटी)</p> <p>⑤ <u>पश्चिम बंगाल</u> - राकीगंज</p> <p>⑥ <u>आंध्र प्रदेश</u> - सिंगरौली (कृष्णा-गोदावरी नदी घाटी)</p> </div> <div style="width: 45%;"> <p>⑦ <u>असम</u> - माजूम, लखीमपुर</p> <p>⑧ <u>तमिलनाडु</u> - नेवेली (लिग्नाइट), मलार मुडी</p> <p>⑨ <u>मेघालय</u> - गारो, खासी, जयंतिया</p> <p>⑩ <u>राजस्थान</u> - पाली</p> <p>⑪ <u>जम्मू &amp; कश्मीर</u> - कलामोट (स्थायित्व)</p> </div> </div>
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	कोयला उत्पादन की दृष्टि से MP का चौथा स्थान है

2 2

भारत में प्रमुख खेती के पदार्थों का  
उत्पादक क्षेत्र -

प्रमुखतः 6-7 वीं कृषि की  
चट्टानों से उत्पादन होता है

- ① अरुणाचल -
- डिगवोई (1962)
  - नहरकटिया
  - शिवनाग
  - सुरमा घाटी
  - हमरीपान



② मुजफ्फरगढ़ - 60% उत्पादन

अपततीय क्षेत्र, पश्चिमी क्षेत्र

③ राजस्थान - मंगला नदी क्षेत्र (वाडमेर)  
रेशम का आयात

- ④ गुजरात -
- मेम्वे व कच्छ की खाड़ी
  - मेहसाणा
  - अमलेश्वर
  - कलोल
  - ~~बर्से~~ सुरत
  - धरमदा

⑤ कच्छा गोदावरी - नदी + प्राकृतिक गैस  
घाटी रावा 3 वीं क्षेत्र

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line  
इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें





20

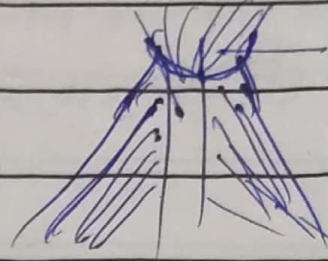
ज्वालामुखी एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें मैग्मा/ लावा हथी की आंखों के बराबर निकलने के बाद निकलता है

□□

ज्वालामुखी निम्नलिखित प्रमुख स्थानों पर पाए जाते हैं

□□

1) ज्वालामुखी पर्वत



क्रैटर/कोल्डेरा

□□

2) सिन्डर शूड

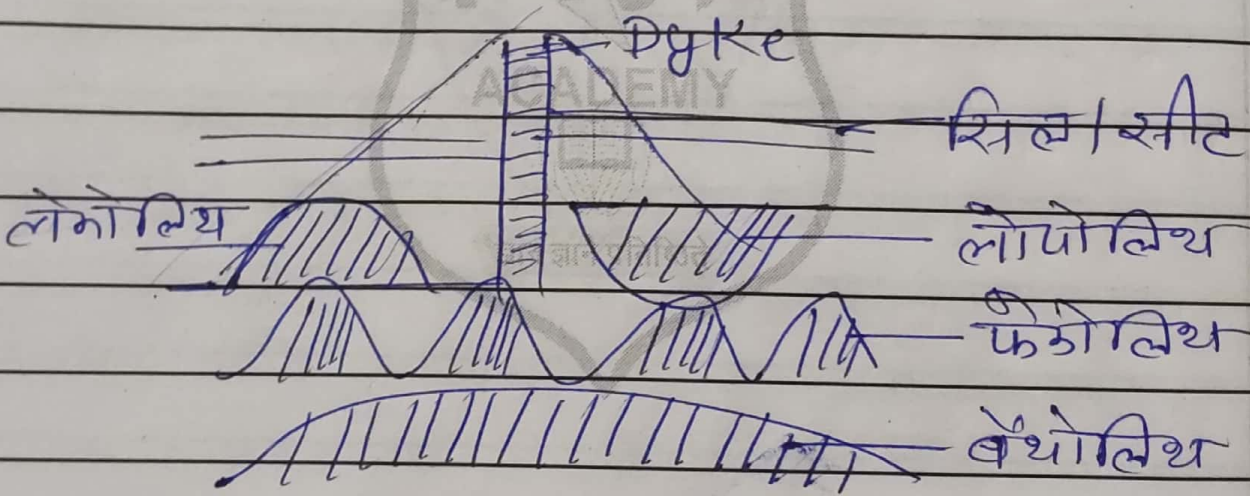
3) क्रैटर/कोल्डेरा

□□

4) लोपोलिथ - आंखों के बराबर निकलने में तबूरी नुमा संरचना



□□



□□

लोपोलिथ

सिलिका रीट

लोपोलिथ

□□

फेकोलिथ

बेंथो लिथ

□□

5) लेकोलिथ - ~~बहुत~~ उंचे टुंडे टेरिन / बकेयान / पगरी संरचना

□□

6) डाइक - पर्वतों के जोड़कर स्वयं नुमा संरचना

□□

7) फेकोलिथ - चट्टानी पर्वतों के बीच जब मैग्मा लहर नुमा रूप में ~~न~~ ढंटा हो जाता है उसे फेकोलिथ कहते हैं

□□

8) टैच ड्रॉिंग के बीच पतली चादर के रूप में शीट -

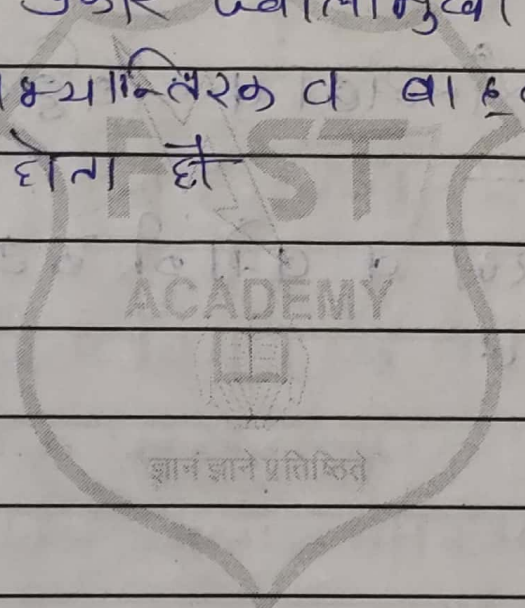
शीट जब मोटी होती है तो - स्लिब का निर्माण

9) वैथोलिथ - सर्वाधिक बृहद आकार की शैलियाँ

- कोई निश्चित आकार नहीं होती

इस प्रकार जबालामुखी के द्वारा

विभिन्न अभ्यान्तरीक व बाह्य शैलियों का निर्माण होता है



Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line  
इस लाइन के बाहर कुछ भी ना लिखें

Leave Blank

26

सूदा के निम्नीकरण को रोकने के लिये सूदा संरक्षण व संवर्धन आवश्यक है

□□

□□

प्रमुख कारण

- सूदा अपरदन
- मूल गुणवत्ता का ह्रास
- सूदा लवणीकरण और क्षारीयकरण
- सूदा का कटाव

□□

□□

सूदा संरक्षण व संवर्धन हेतु प्रमुख

□□

तथास -

1. वनीकरण व कमी कटाई परियोजना
2. ~~सूदा संवर्धन~~

□□

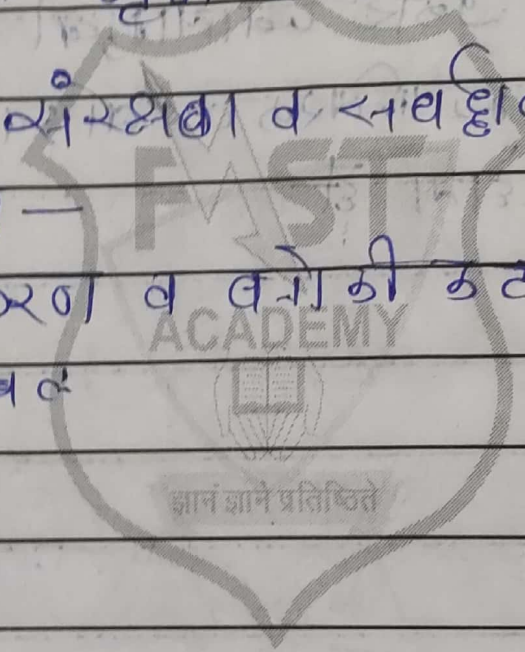
□□

□□

□□

□□

□□



रिक्त छोड़ें

रिक्त छोड़ें

इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

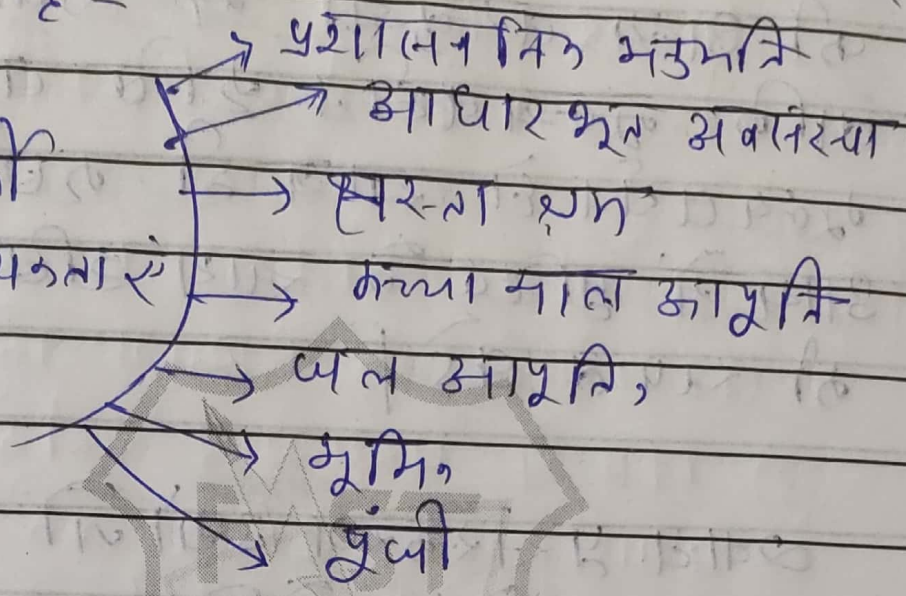
रिक्त छोड़ें

Leave blank  
रिक्त छोड़ें

2 F

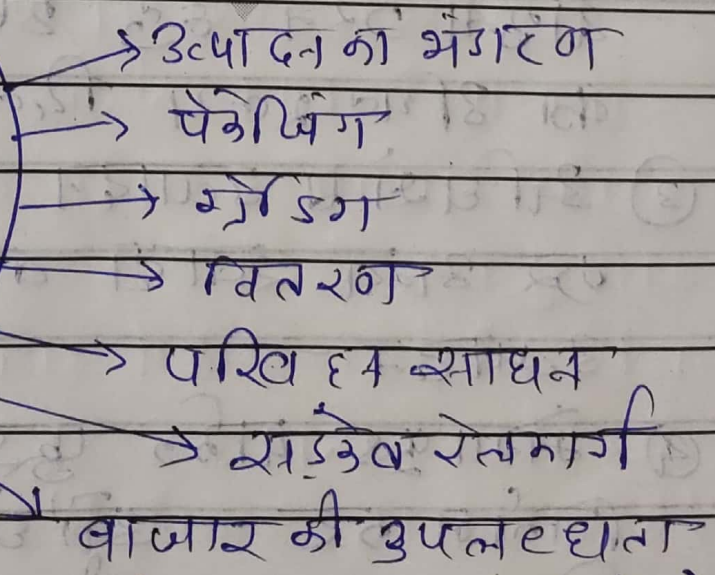
किन्हीं भी प्रकार के उद्योगों के स्थायीकरण की प्रवृत्ति उनके पूर्ववर्ती व अग्रवर्ती आवश्यकताओं पर निर्भर करती है -

पूर्ववर्ती आवश्यकताएं



उद्योगों की स्थापना के प्रथम उत्पादन को स्वयंसेवा के लिये तथा लाभ अर्जित करने हेतु अग्रवर्ती आवश्यकताएं

अग्रवर्ती आवश्यकताएं



वाजार की उपलब्धता

इस प्रकार स्पष्ट है कि विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिकरण में ये महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं

Leave Blank

Leave Blank

Do not write beyond this line

Leave Blank

Leave Blank

25

स्वाध प्रसंस्करण - स्वाध प्रसंस्करण से

□□

लाभार्थ है कृषि उत्पादित

□□

स्वाधान्त, फल व सब्जियों को स्वाने

□□

की अन्य वस्तुओं में रूपान्तरण

□□

ताकि मूल्यवर्धन कृषि वस्तुओं का

□□

मूल्यवर्धन हो साथ ही कृषकों की

□□

आय में वृद्धि के साथ अधि वस्तुओं

□□

की रूपान्तरण हो।

□□

स्वाध प्रसंस्करण उद्योगों की वर्तमान

□□

आवश्यकता में उपयुक्त -

□□

(1) कृषि को लाभ को बढ़ाए रखने

□□

के लिए

□□

(2) वर्ष 2022 तक कृषकों की आय

दोगुना करने हेतु कृषकों को फसलों

का अधिक मूल्य दिवाना

(3) अधिशेष उत्पादन का उपयोग

कर अन्य स्वाध वस्तुओं का

उत्पादन -

(4) मेगा फूड पार्क फुड प्रोसेसिंग का

निर्माण कर - औद्योगिक विकास

किया जा सकता है

(5) नये शोपिंगारों का स्थापना होना

Fill question number and subsection number inside the boxes  
बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

6) कृषि विभिन्न उत्पादों के निर्यात के

द्वारा भी लाभ अर्जित किया जा

सकता है

इस प्रकार भारत सरकार द्वारा  
स्वायत्त प्रयत्न के उद्योगों को बढ़ावा देने के  
लिए मेगाफूडपार्क योजना, संपदा  
योजना का क्रियान्वयन कर रही है

Do not write beyond this line  
Leave Blank  
Leave Blank



२५	<p>भारतीय कृषि की प्रमुख समस्याएँ -</p> <p>क.</p>
□ □	<p>(1) भारत एक कृषि प्रधान देश 45% लोकसंख्या कृषि पर निर्भर है।</p>
□ □	<p>परन्तु कृषि में प्रचलित मौसमी कृषि के कारण वर्षा कृषि के क्षेत्रों में</p>
□ □	<p>(2) अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि के कारण खेती के क्षेत्रों का निर्माण नहीं हुआ।</p>
□ □	<p>(3) कृषि में परंपरागत तरीकों का प्रयोग - आधुनिक तकनीक का प्रयोग नहीं।</p>
□ □	<p>(4) अनुसंधानों के क्षेत्रों में जनसामान्य संलग्न नहीं।</p>
□ □	<p>(5) लोगों में जागरूकता का अभाव।</p>
□ □	<p>(6) अधिकांश क्षेत्रों में सिंचाई सुविधाओं का विकास नहीं हुआ है।</p>
□ □	<p>(7) वर्षा आधारित कृषि है; अतः मानसून के देरी से आने से या नदी आने से संपूर्ण अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है।</p>
□ □	<p>(8) अत्यधिक वसायमों व कीट-पतंगों के प्रयोग से खाद्यान्न कृषि में राशियों में कीटों की उबरना का कारण।</p>

Grid of boxes for question numbers and subsection numbers.

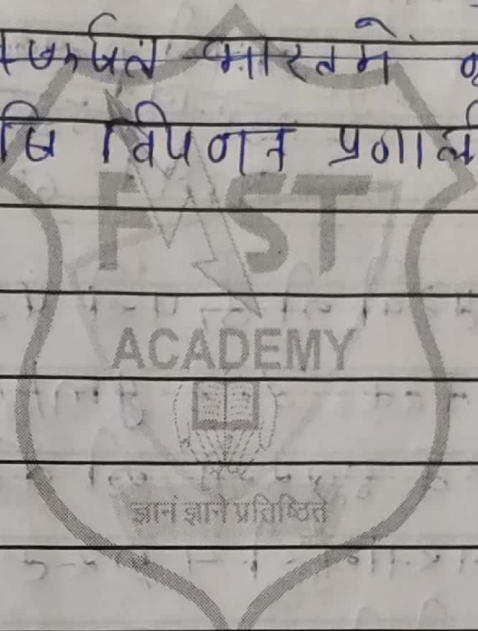
(8) प्रति व्यवहार उत्पादन क्षमता कम है

(9) उचित रूप से कसल पत्र का पालन करना

(10) फोनल शरयत अधिक फलस्वरूप सदा की गुणवत्ता में गिरावट

(11) पर्याप्त अंतरण सुविधा का विषयवस्तु भारत में कृषि अभाव

(12) कृषि विपणन प्रणाली में दोष



Leave Blank रिक्त छोड़ें

Leave Blank रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line  
इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Leave Blank रिक्त छोड़ें

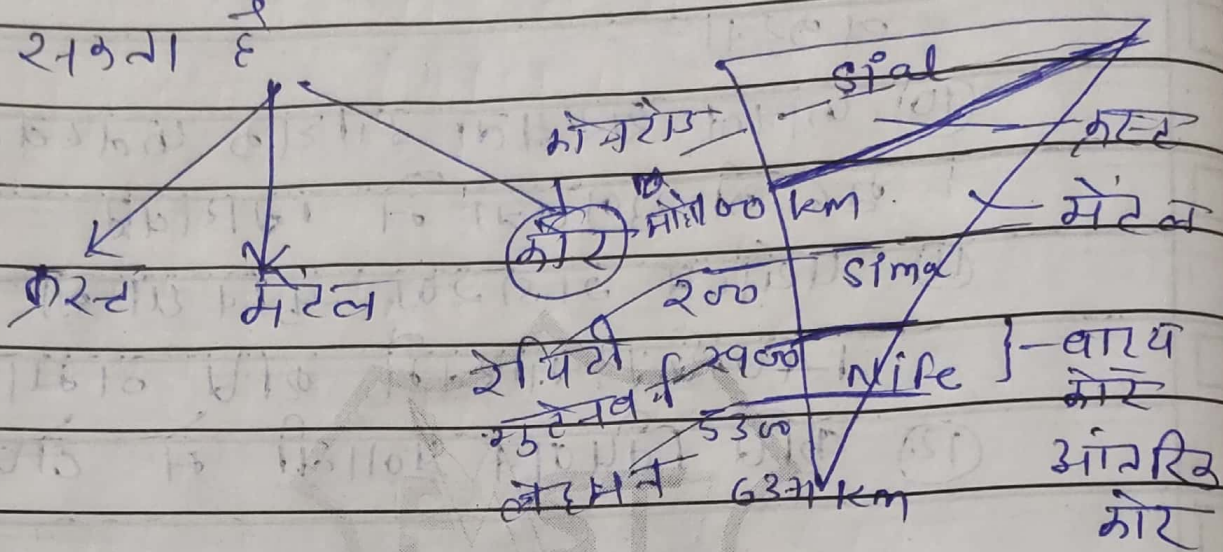
Leave Blank रिक्त छोड़ें





9 (a)

भूकंप तरंग आधारित अध्ययन के आधार पर पृथ्वी की आंतरिक संरचना तीन को तीन भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है



① क्रस्ट — पृथ्वी की ऊपरी पर

- घनत्व  $3.3 \text{ g/cm}^3$
- पृथ्वी के त्रिज्या का लगभग
- मध्यमगरीय क्रस्ट -  $5 \text{ km}$  की
- महनीपीय क्रस्ट -  $48 \text{ km}$  की
- औसत क्रस्ट चौड़ाई -  $33 \text{ km}$
- क्रस्ट के मध्य - कोबरोज
- क्रस्ट व मेटल के मध्य मोटाई
- अलग दृष्टा है

② मेटल - बाहरी में जाने पर घनत्व में

वृद्धि  
 पर  $100 \text{ km}$  के बाद 5 तरंगों

की गति धीमी  $\rightarrow$  वेरी ऑफ जो 4  
यहो चढ़ाने आशिक पिछली

- अरु रथा में  $\rightarrow$  कुर्वल मंडल

- 200 km के बाद पत्र रंगो की  
गति में बृद्धि

- वायुकोर व मंडल के मध्य - कुर्वल वर्ग  
असंबद्धता

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

③ कोर  $\left\{ \begin{array}{l} \text{आंतरिक कोर} \\ \text{वायुकोर} \end{array} \right.$

- आंतरिक कोर 2900 km से  
5300 km तक

- आशिक पिछली हुई चढ़ाने  
पर रंगो के वेग में कमी हुई

- आंतरिक व वायुकोर के मध्य  
लोहमय असंबद्धता

- ~~2900~~ के बाद 5300 के बाद

5300 - 6071 km तक आंतरिक कोर

इस प्रकार पृथ्वी की आंतरिक भाग

में चढ़ानों की संरचना व संरचना

एक समान नहीं है

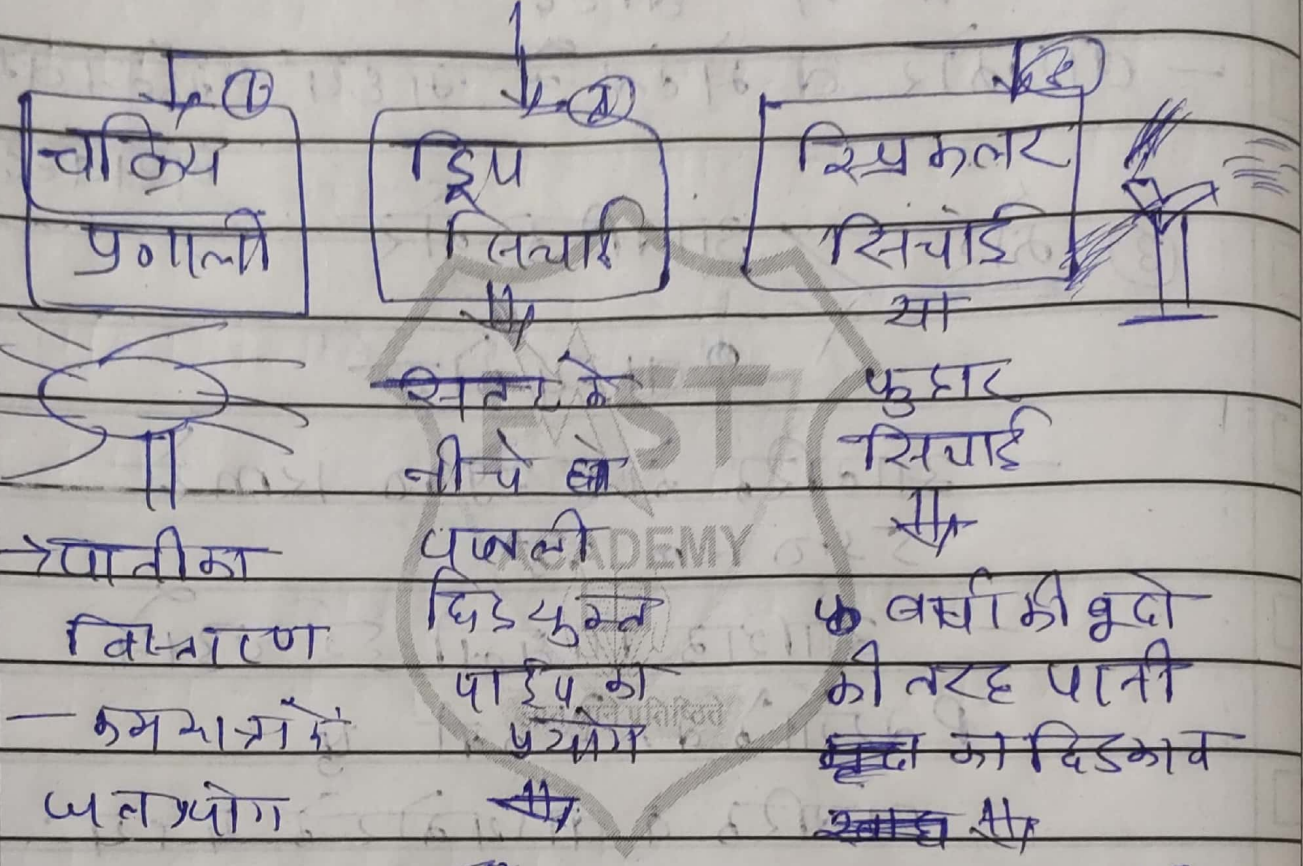
Do not write beyond this line  
इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

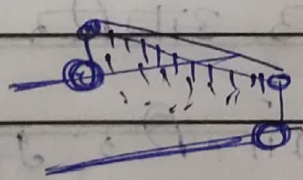
जल के इष्टतम उपयोग हेतु कुशल सिंचाई विधियां आवश्यक हैं

सिंचाई के प्रमुख विधियां



ठंडा पानी से अधिक उपयुक्त

③ केंद्रीय घुरी सिंचाई

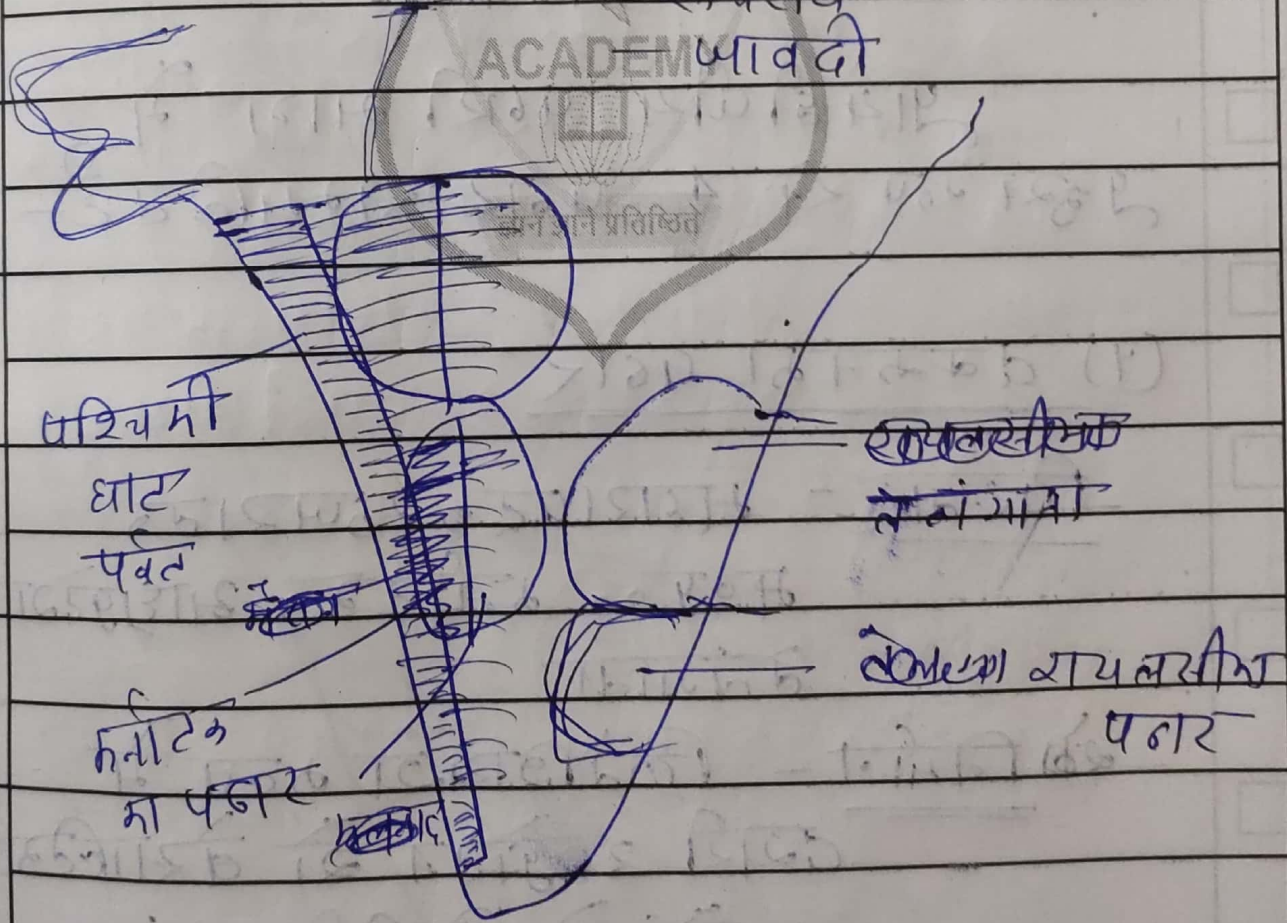
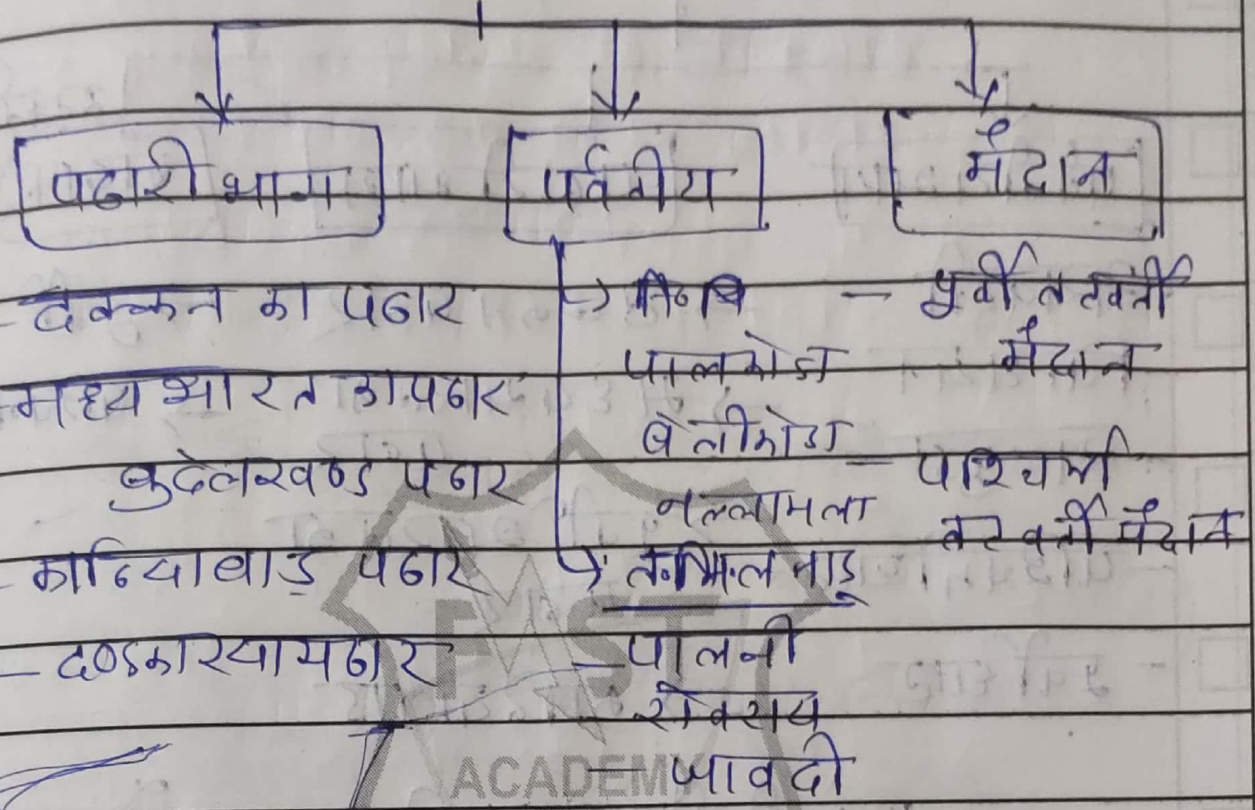


खेत के दोसरे कोर पहिये हुआ घुरी प्रणाली से बड़े खेत में सिंचाई

कुशल सिंचाई प्रणाली के द्वारा ही जल संयोजित व संवर्धित किया जा सकता है क्योंकि संपूर्ण जल का 100% उपयोग सिंचाई के तंत्र से होता है

3 A

प्रायद्वीपीय पट्टारी भाग के प्रमुख आर्थिक ~~पदों~~ स्थलावृत्तियां



Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line  
इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

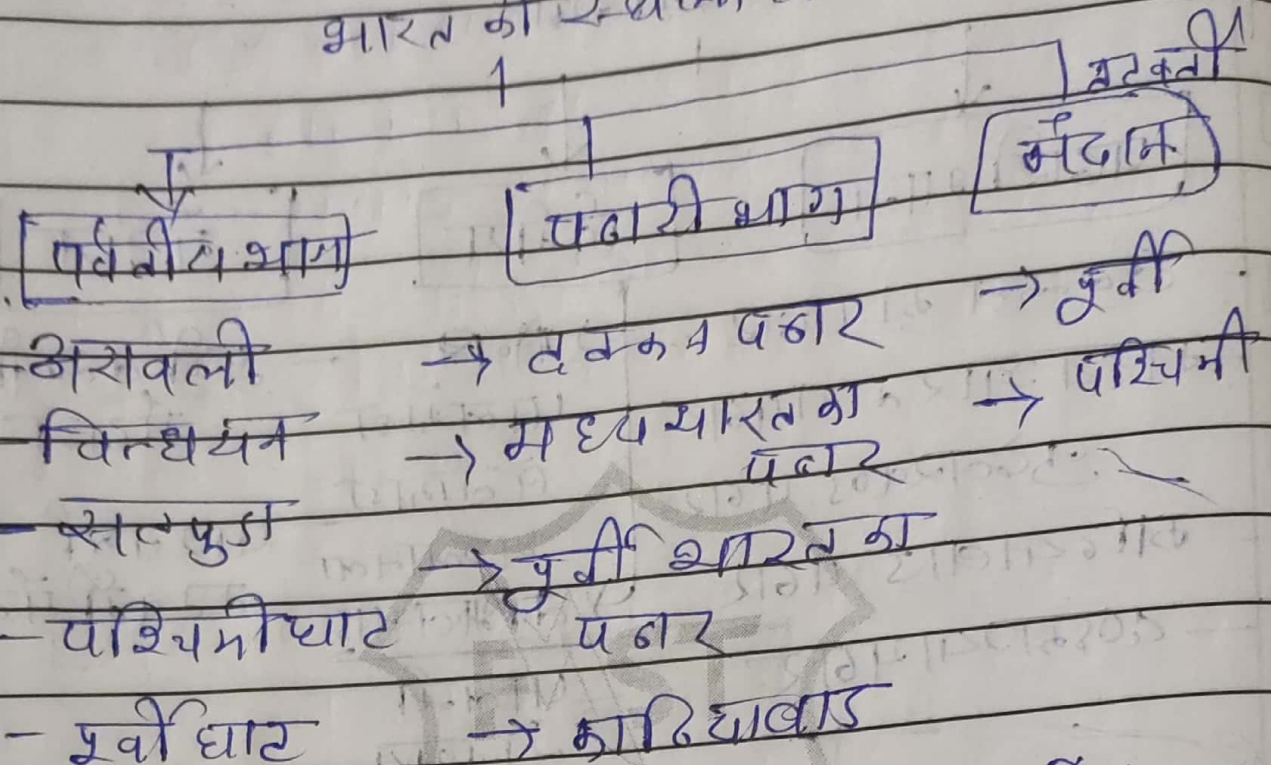
Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें



Fill question number and subsection number inside the boxes  
बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

प्रायद्वीपीय पठार  
भारत की प्रथमा खनियाँ



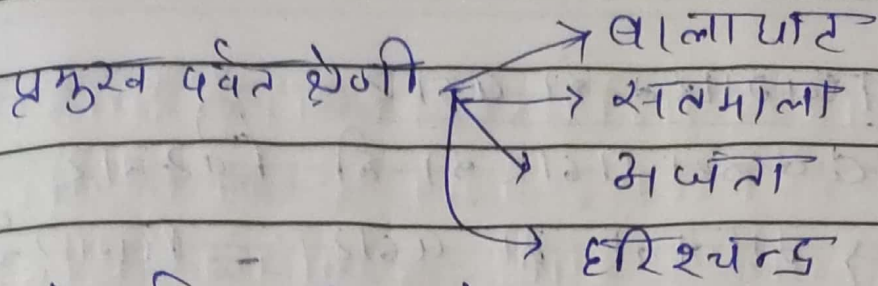
प्रायद्वीपीय पठारी भाग में प्रमुख रूप से 4 पठार सम्मिलित हैं

(1) दक्कन का पठार

विराट - महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना

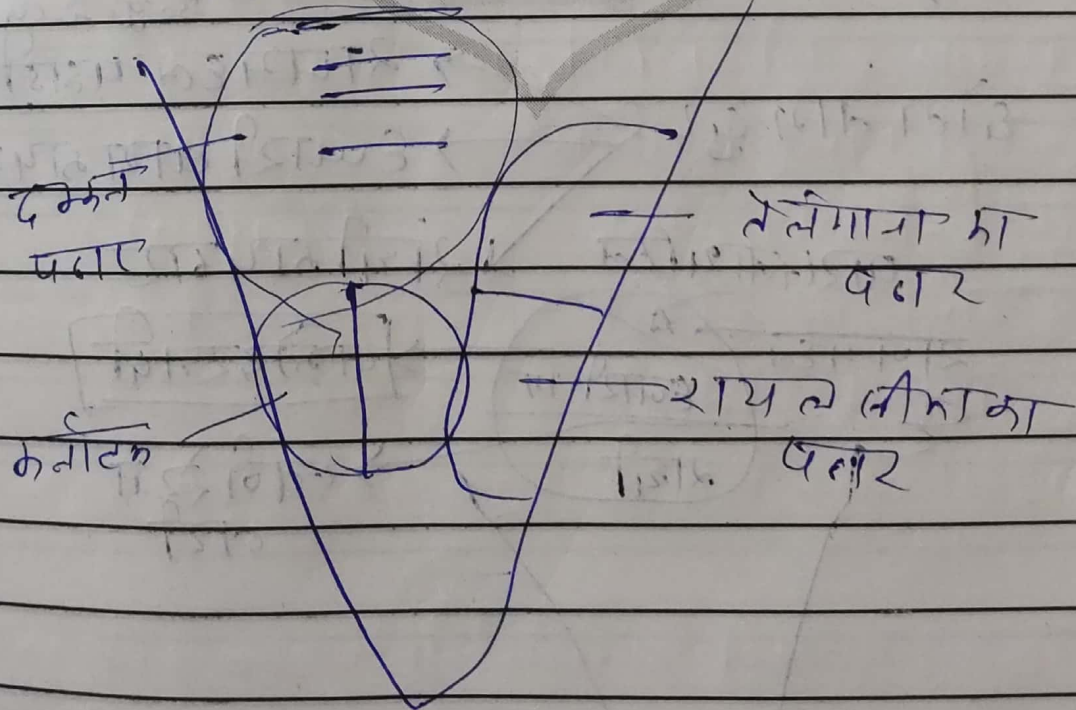
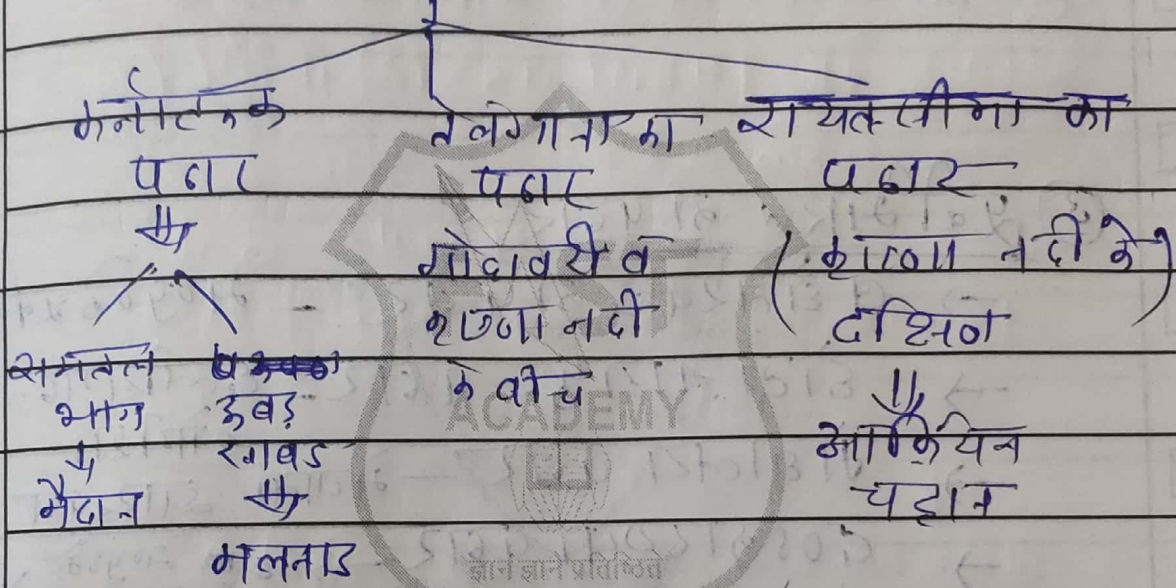
शो निर्माण - क्रिश्चियन कल्प में दशरी उद्भोटन से वेसाल्टिक चट्टानों से निर्मित

all question number and subsection number inside the boxes  
 बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें



मोहरी - दक्षिण में 2000 मीटर  
 ऊँचाई के

दक्कन का पठार



Leave Blank  
 रिक्त छोड़ें

Leave Blank

No not write beyond this line



2) मध्य भारत का पट्टा

दक्कन पट्टा का ही विस्तार

→ मालवा का पट्टा - (मिर्जापुर)

→ मेवाड़ का पट्टा - मध्य राजस्थान

→ छुन्देल खंड पट्टा - सिद्धवावा-चोरी

→ शीवा पटना पट्टा - मध्य में

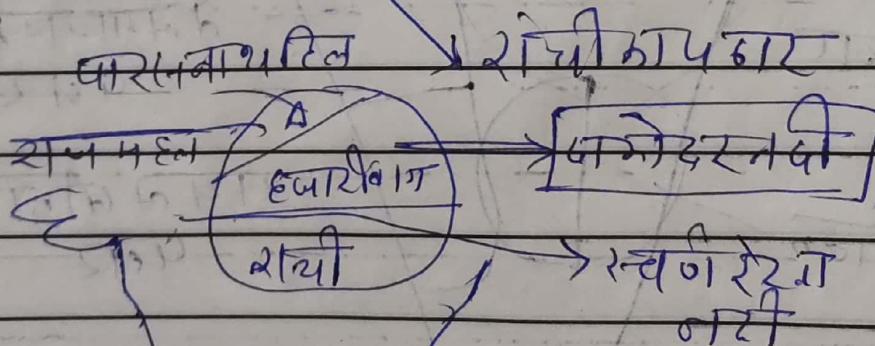
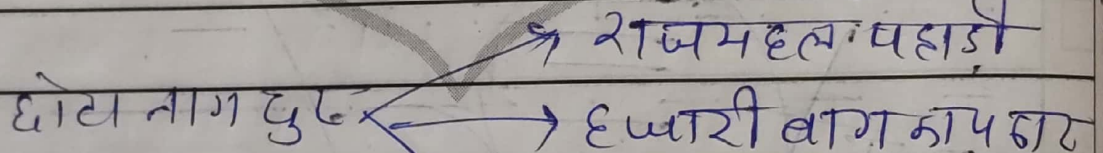
3) पूर्वी भारत का पट्टा

→ बघेलखंड का पट्टा - मध्य के पूर्व

→ दौल नागपुर पट्टा - दिल्ली से गङ्गा  
 डोयी से

→ मेघालय पट्टा - मेघालय झारखण्ड

→ दोंसकारण्य पट्टा - मध्य के  
 डोयी से - छुने

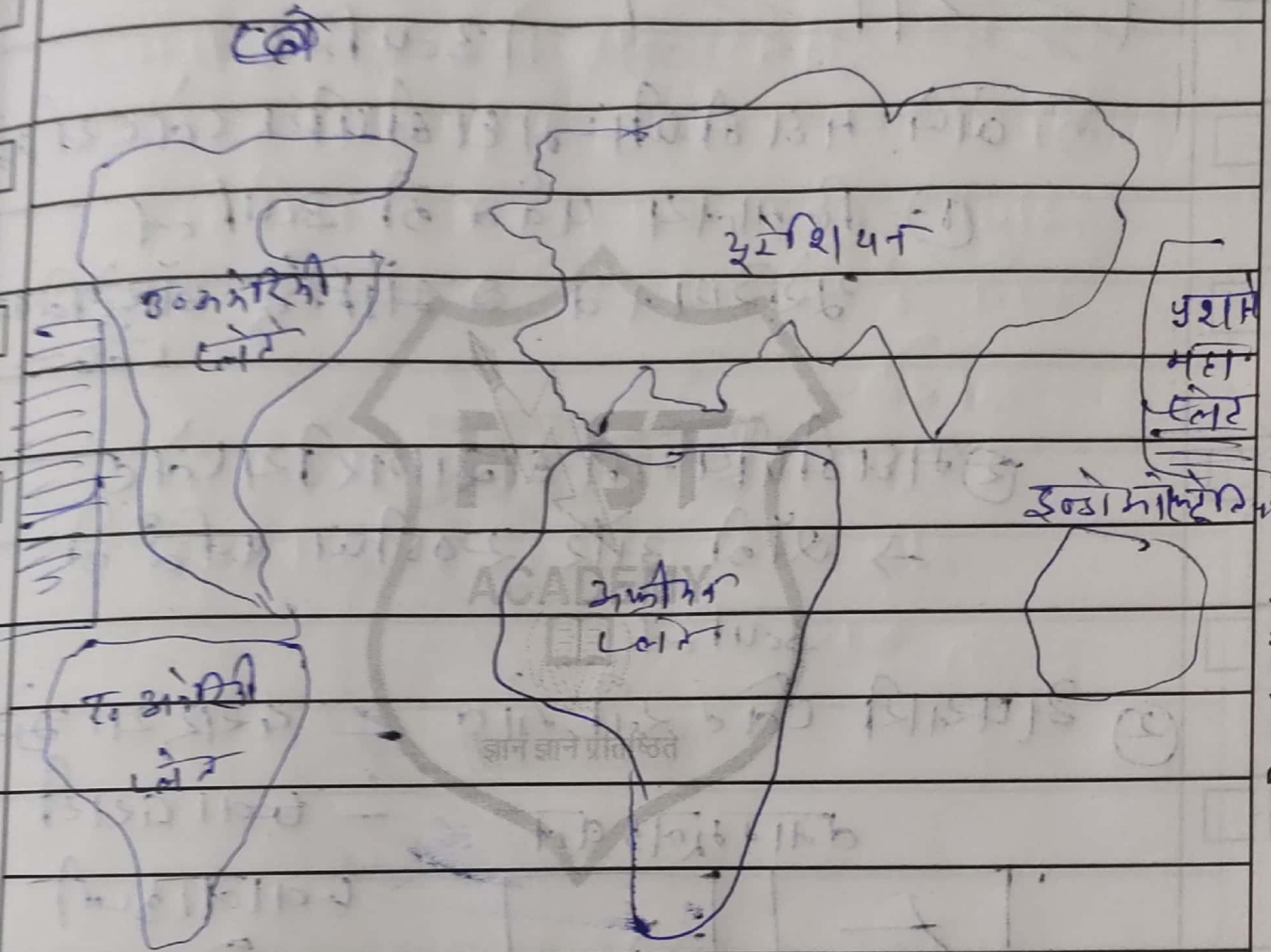




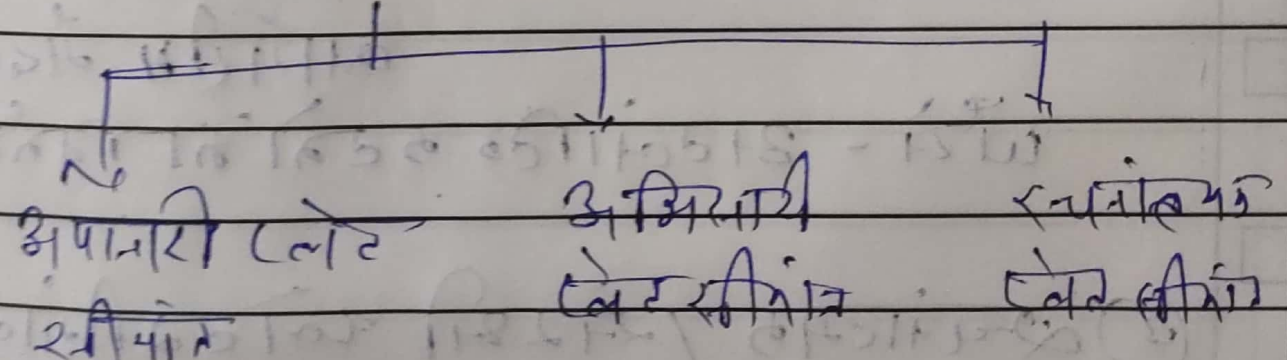




और नए लेंचों की गतिशीलता के परिणामस्वरूप लेंचों के मध्य एकसाथ उत्पन्न होती हैं।



लोटरी मांत्र



Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

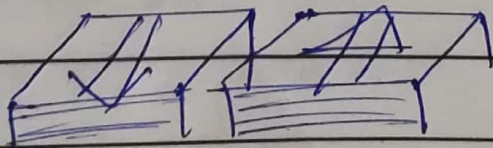
Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line.  
इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Fill question number and subsection number inside the boxes  
बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

□ □	<p>1) अफ़सारी पर्वत सीमांत - दो प्लेटों के मध्य उत्पत्ति</p>
□ □	<p>श्रेणीकरण प्रथम</p>
□ □	<p>फलतः वलित उपर्वत बनी उत्पत्ति</p>
□ □	<p>जैसे महाद्वीपीय-महाद्वीपीय प्लेट सीमांत</p>
□ □	<p>1- हिमालय पर्वत की उत्पत्ति यूरेशिया व ऑस्ट्रेलिया</p>
□ □	<p>2) महाद्वीपीय-महासागरीय प्लेट → दोनों ओर स्थलीय पर्वत की उत्पत्ति</p>
□ □	<p>2) अफ़सारी पर्वत सीमांत - दरार या अंतरा तनाव मूलक बल - छाँटा दरारी</p>
□ □	<p>ज्वालानुत्पत्ति उत्पत्ति</p>
□ □	<p>3) अंतर्लक्षित कटकों का निर्माण आगरीय मैदान</p>
□ □	<p>जैसे - अंतर्लक्षित कटकों का निर्माण</p>
□ □	<p>3) अंतर्लक्षित / संरक्षी प्लेट सीमांत</p>
□ □	



1. लोत एक इतरे के सप्तोनातर  
विचलित

- फल वरुष भूमिपो की उपरिता  
उदा० केली कोर्निया का सेम  
रगन्धिया का भुंवा

उदा० केली कोर्निया का सेम  
रगन्धिया का भुंवा

उदा० केली कोर्निया का सेम  
रगन्धिया का भुंवा

उदा० केली कोर्निया का सेम  
रगन्धिया का भुंवा

उदा० केली कोर्निया का सेम  
रगन्धिया का भुंवा

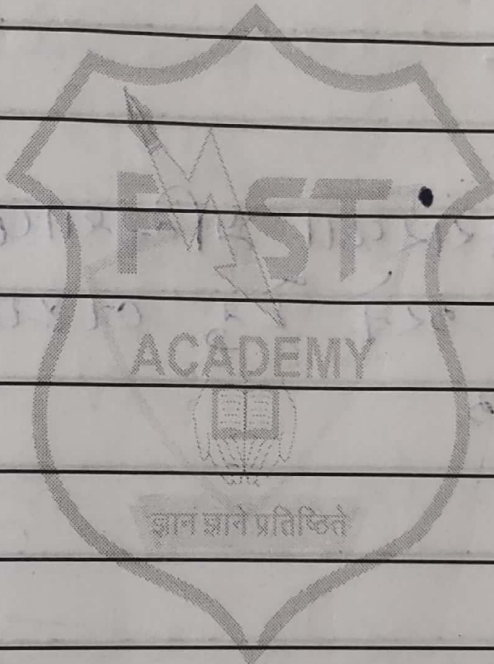
उदा० केली कोर्निया का सेम  
रगन्धिया का भुंवा

उदा० केली कोर्निया का सेम  
रगन्धिया का भुंवा

उदा० केली कोर्निया का सेम  
रगन्धिया का भुंवा

उदा० केली कोर्निया का सेम  
रगन्धिया का भुंवा

उदा० केली कोर्निया का सेम  
रगन्धिया का भुंवा



Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line  
इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें



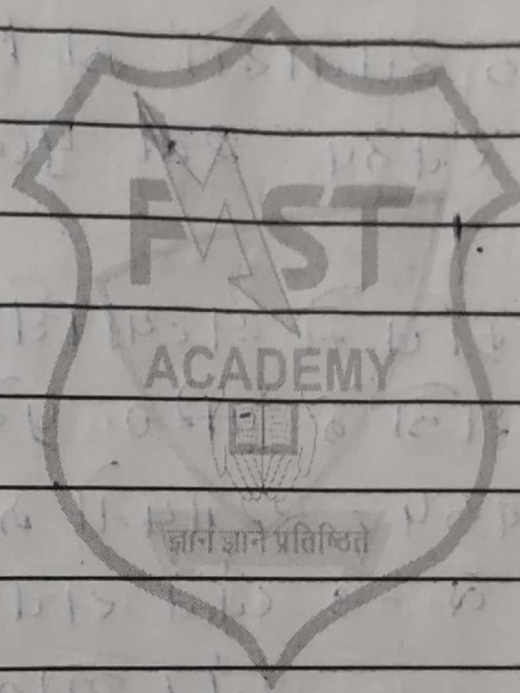
Fill question number and subsection number inside the boxes  
बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	② <input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/> मृदा : पृथ्वी के परतों का अणुपणु पर उपरिष्ठत चंद्राणु के कणक रश्मि जीव वतस्थिति के सड़े गले भवथेवो का संश्लेषण है
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	मृदा निर्माण के कारक
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	↓ ↓ ↓ ↓
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	कार्वनिक श्वनिय मृदा मृदा पदार्थ पदार्थ घोल वायुमंडल
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	① कार्वनिक पदार्थ → ह्युमस की मात्रा → लस्यति व लसू लसू → रश्मि जीव व वसस्थति
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	② <u>श्वनिय पदार्थ</u>
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	मुख्य → नाइट्रोजन, कार्बोन, पो टेशियम, सल्फर, <u>प्राथमिक</u> → ऑक्सीजन, फिनीक, एल्मीनियम, आयरन <u>द्वितीयक</u> - कैल्शियम, मैग्नीशियम, सोडियम
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	③ <u>मृदा घोल</u> - मृदा का जल तथा पोषक तत्वों का घोल

4) मृग में उपरिखत वायु की मात्रा-  
कोकली वायु प्रक्रिया की वृद्धि  
करती है  $\rightarrow$  मृग वायुमंडली

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें



Do not write beyond this line  
इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

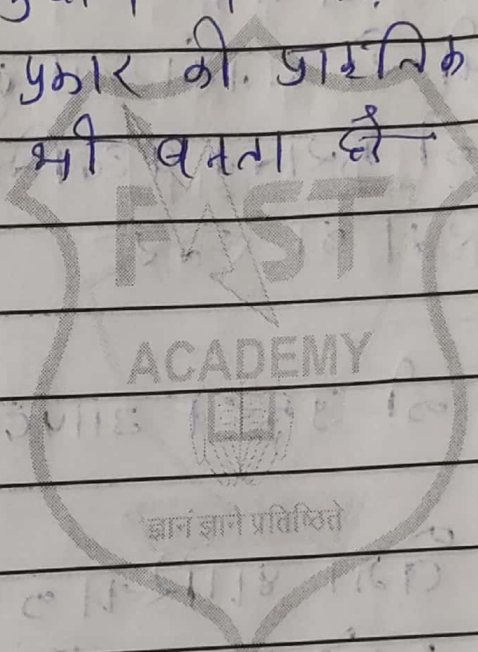
Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	पारिस्थितिकी - पृथ्वी के वायु में
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	उपस्थित समस्त जैविक, अजैविक व सूक्ष्म जीवों के परस्पर अन्तर्क्रिया का अध्ययन कहलाता है
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	परिणाम स्वरूप मानव द्वारा पारिस्थितिक तंत्र में हस्तक्षेप कर निम्न दुष्प्रभावों को उत्पन्न किया है -
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	1) प्राकृतिक आवासों का विखण्डन के परिणाम स्वरूप <del>सूक्ष्म</del> पुष्पाणीयों का विलोपन।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	2) अत्यधिक मिट्टी में अत्याधिक रसायनों व कीटनाशकों के परिणामस्वरूप - रसायनों का स्वाभाविकता में प्रवेश व → जल संचयन व जल आवृत्त
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	3) पर्यावरण प्रदूषण व पर्यावरण क्षरण
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	4) जलवायु में परिवर्तन व वृद्धि -
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	5) ग्लोबल वार्मिंग - अत्यधिक ग्रीन हाउस गैसों के उत्पादन के कारण
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	6) <del>मूल्य</del> <del>व</del> निर्वनीकरण के कारण कार्बन चक्र में कमी व कार्बन डाइऑक्साइड की वायुमंडल में अधिकता हुई



क) आर्द्रभूमि को मै अवशिष्टफल का  
निकाल फलन आर्द्रभूमि पारितंत्र  
में प्रभावित।

द) इस प्रकार पारिस्थितिक तंत्र में  
मानवीय हस्तक्षेप का उभाव वंपूर्ण  
मानव समुदाय पर पड़ रहा है जो  
विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं  
का कारण भी बनता है।





2 E

1973 के अधिनियम के आधार पर  
डिस्टरिक्ट समिति की अफसरों के आधार पर

□ □

के ज. जनजातियों को आपदाग्रस्त  
घोषित करने की अफसरों की भी

□ □

~~अफसरों~~ जनजातियों के आपदाग्रस्त  
होने के लिए आधार

□ □

(1) जनजातियों की पारंपरिक प्रथाओं  
का ध्यान देना।

□ □

(2) जहाँ से बम संख्या कम होमा।

(3) खेती की सुरक्षा पद्धतियाँ

□ □

(4) साक्षरता का दर

□ □

भारत की उच्च आपदाग्रस्त  
जनजातियाँ

□ □

(1) मध्य - वेग भारिया 9 रत्नरिया

(2) अठमाव की निकोवाट → ग्रेट इंडियानी 9  
रेडिन्स 9 ओगे

□ □

(3) साखरक -  
ये दो 9 मुठ प्रस्ताव

□ □

(4)

□ □

□ □

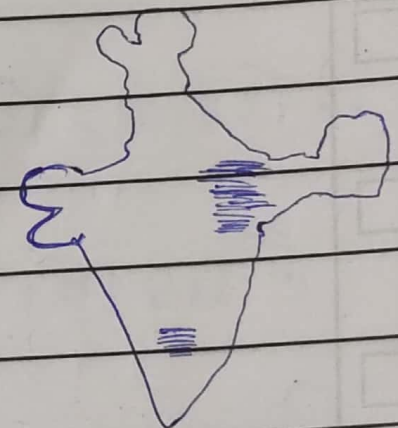
भारत में जूट कोल्डनफाइबर।  
 प्राथमिक नवीनीकरणीय,  
 बायोडिग्रेडेबल व पारिस्थितिकी  
 अनुकूल उत्पाद।

→ जूट कच्चा माल आधार उद्योग है अतः  
 उद्योग होने कारखाने कच्चे माल के क्षेत्र  
 में स्थापित किये जाते हैं।

→ इसका कच्चा माल सहेला होता है  
 प्रमुख जूट उद्योग →

(1) पश्चिम बंगाल में जूट उत्पादन 85%  
 होता है

(2) बिहार के दरभंगा,  
 कटिहार,  
 राम रहीपुर



(3) उत्तर प्रदेश → कांनपुर

(4) आंध्र प्रदेश → अंगोल  
 गुंडूर  
 विशाखापत्तनम

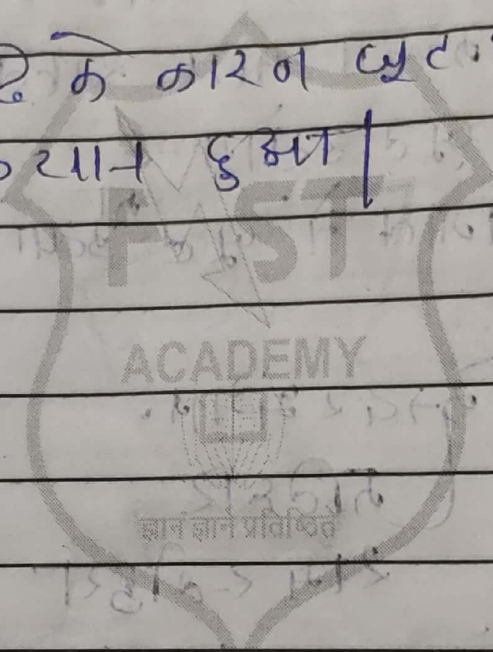
पश्चिम बंगाल → कच्चा माल  
 में सकेल्डो  
 कारखाने → अधिक जनसंख्या  
 सार्वजनिक  
 वटरगाट सुविधा

परन्तु जूट उद्योग अनेक समस्याओं से ग्रसित  
 है जैसे बाजार में

धूल उद्योग की समस्याएं

- वायु में बढ़ती प्रतिस्पर्धा
- मित्रों के आधुनिकीकरण का अभाव
- ऊँची लागत
- कच्चे माल में कमी
- उत्पादन में अस्थिरता

आपत्ति के कारण धूल उद्योग को काफी नुकसान हुआ



3

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए

1. धूल उद्योग की समस्याएं क्या हैं?

2. धूल उद्योग को नुकसान क्यों हुआ?



24

प्रकरण - धन आर्थिक क्रममापिक  
करणो से लोगो का स्थानांतरण  
रक स्थान से दुसरे स्थान होना होने  
उसे प्रवास कहते है -

Leave Blank

ग्रामो से शहरो की ओर प्रवास के  
मुख्य कारण निम्न है -

Leave Blank  
रिक्त छोड़े

- 1) रोजगार की तलाश में
- 2) कृषि का लाभ उद न रहना - व  
अधिकारी प्रवास श्रमिहीत मजदुरों का  
होना है
- 3) आर्थिक लाभ की दृष्टि से, शहरो की  
ओर आकर्षित होना।

Do not write beyond this line  
इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

4) शहर - मुख्य रूप से शिक्षा के  
केन्द्र हैं।

5) ग्रामीण क्षेत्रों में व्याप्त आपसी  
तनाव से छुट्ट होकर भी प्रवास  
होना है।

Leave Blank  
रिक्त छोड़े

6) शहरो में ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा  
अधिक रोजगार एवं सुबुद्धी द्वारा  
निष्कृति प्रवृत्त से व्यक्तियों  
का अस्तित्व रहता है।

Leave Blank  
रिक्त छोड़े

२ १

पृथ्वी से सितम्बर तक जब सूर्य का

□ □

सूर्य के उत्तरायण के परिणाम स्वरूप

□ □

उत्तर भारत में निम्न वायु दबाव क्षेत्र होता है

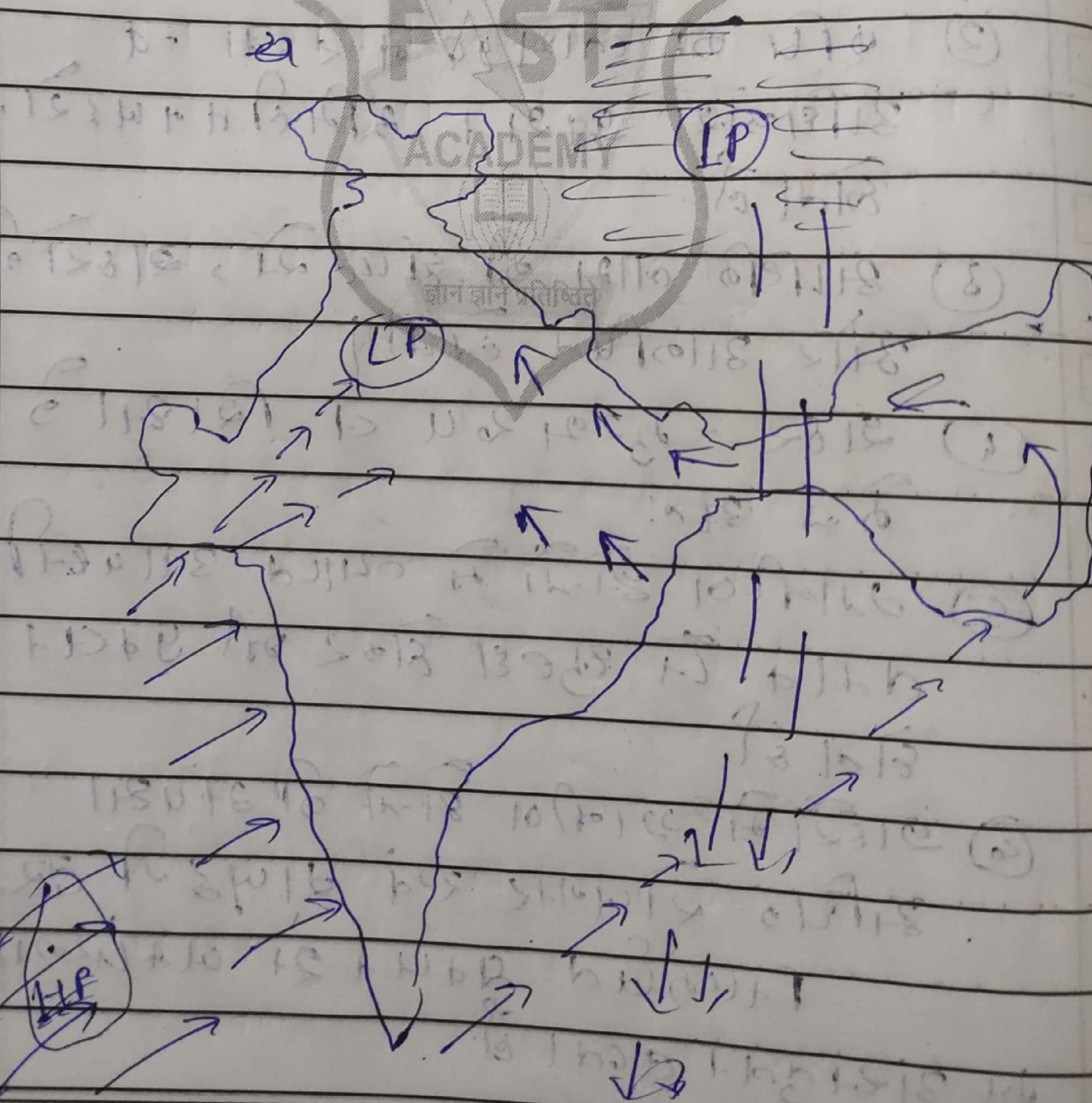
□ □

वही निम्न के अक्षांशों के बीच से - पूर्वी घाट स्टीम का किर्ण जो दक्षिण में बंगाल की खाड़ी से

□ □

ऊपर होते हुए मेडागास्कर में अवतरित होती है

□ □



□ □

□ □

□ □

□ □

□ □

□ □

अतः भिन्न-भिन्न देशों के उच्च वायुदाब  
 क्षेत्रों के व्यापारिक धाराओं का भारतीय  
 तिम्र वायुदाब क्षेत्र की ओर आकर्षण  
 - कि जिनके दक्षिण पश्चिमी मानसून  
 कहते हैं

- धृती के प्रथम सप्तमास में केरल तथा  
 अन्य मानसून विना वाद में वर्षा -

- पश्चिमी घाट में अरब सागर की  
 शाखा से वर्षा  
 दक्षिण पश्चिम मानसून

अरब सागर की  
 शाखा

वेगान की खाड़ी की  
 शाखा

- ① पश्चिमी घाट पर
- ② कर्नाटकी घाटी

- ① पूर्वी भारत
- घाटनागपुर
- घाट

- ③ गुजरात में अरब की
- कैरामान्जर

- ② उत्तर पूर्वी
- भारत

पूर्व हिमालय से पूर्व

भारत में वर्षा वर्षा के माह में मानसून की  
 धारा से प्राप्त होती है

विशाल वायुदाब क्षेत्र

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line  
इस पंक्ति के बाहर कुछ भी न लिखें

Leave Blank

Leave Blank

2 J

भारत में नदी जल <sup>नदों को</sup> अतिक्रमण कर

□ □

जब इन जलपात्र के क्षेत्रों में जल जाता है तो उसे बाढ़ कहते हैं

□ □

भारत विश्व का दूसरा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है -

□ □

भारत के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र -

□ □

(1) सिन्धु गंगा ब्रह्मपुत्र का मैदान -

□ □

- विघर, असम  
पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल

□ □

(2) मध्यादी, कच्छा कावेरी डेल्टा -

□ □

निम्न भूमि व मंद गति के कारण बाढ़

□ □

(3) अन्य क्षेत्र - उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, कश्मीर घाटी, पंजाब, हरियाणा,

□ □

राजस्थान के कुछ भाग

□ □

बाढ़ से निपटने हेतु सुझाव -

□ □

(1) मौसम पूर्वानुमान को विश्वसनीय बनाना  
(2) dams का माध्यम से जानकारी

3 नदी के थाल रशिया में सिवाल को  
प्रतिबंधित करना आवश्यक है

4 वाद प्रभावित क्षेत्रों में आश्रय स्थलों  
का विकास

5 लघु जल का सम्यक् उपयोग होते-होते  
अवरोध को बांतिर्माण

6 शीतो व पर्वतों एवं पर्वत श्रृंखला  
प्रबंधन समीक्षा द्वारा

7 जलवायु परिवर्तन का अध्ययन करना ।

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line  
इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Blank  
छोड़ें



२४

सतत विकास की अवधारणा (SDG) में

□□

वृद्धि और रोजगार को बढ़ावा

□□

द्वारा - प्राथमिक संसाधनों को  
इस तरह से निरव्ययतापूर्ण अर्थ  
इसयोग करना कि संसाधनों को

□□

अविषय की पीढ़ी के लिए सुरक्षित  
रखा जा सके।

□□

भारत में सतत विकास को बढ़ावा  
देने के प्रमुख अर्थ -

□□

① परंपरागत ऊर्जा स्रोतों की जगह  
नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों का

□□

प्रयोग - जैसे - सौर ऊर्जा, पवन  
ऊर्जा, बायोगैस,

□□

② अथवा भारत ने अपना INDC  
निर्धारित किया है जिसमें -

□□

- 2030 तक वार्षिक जीवशक्ति ऊर्जा  
उत्पाद 40% तक करना

□□

- ~~CO2~~ CO<sub>2</sub> का उत्पादन 2005 के  
स्तर तक लाना।

□□

- CO<sub>2</sub> का उत्पादन 3 मिलियन टन कम  
करना।



Question number and subsection number inside the boxes  
प्रश्न में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

3) स्मार्ट ग्रामीण परियोजना - सतत विकास आधारित है

- 4) राष्ट्रीय जनकिय कार्य योजना के अन्तर्गत - 8 योजनाएँ प्रमुख -
- शांति हरित पर्यावरण मिशन
  - राष्ट्रीय रॉवर ऊर्जा मिशन
  - राष्ट्रीय खल्ल हरित कृषि मिशन
  - शैवद्वित ऊर्जा रक्षणा मिशन

5) REDD+ से बागीचारी के साथ लगीकरण व निर्वहण को रोकना

6) राष्ट्रीय प्रधान अन्वेषी अभ्यास 'वैवमडल भागदोरी (सापरा)

7) आईक्यूमि संरक्षण

8) औद्योगिक उद्योग स्थापना से पूर्व

पर्यावरण. अनापत्ति उमान का प्रवेश

9) स्थानान्तरित कृषि पर रोक लगाया जाये

2 L

अरावली पर्वत श्रेणी

□ □

विस्तार - गुजरात (अहमदाबाद) में

□ □

दिल्ली तक का पर्वत श्रेणी  
 दक्षिण में ऊँचाई अधिक

□ □

विशेषताएँ -

□ □

- प्राचीन अवशिष्ट पर्वत का उदाहरण  
 - पूर्व में - कल्याण नदी, खनी नदी

□ □

पश्चिम - साबरमती नदी

□ □

रविवर - लोहा व स्टील का तांबा पत्थर

□ □

प्राचीन आर्यिक, कुम्हारकर्म की  
 चद्यमों से निर्मित

□ □

→ सबसे ऊँची चोटी

□ □

माऊंट आबू -

□ □

→ गुरु शिखर पर्वत

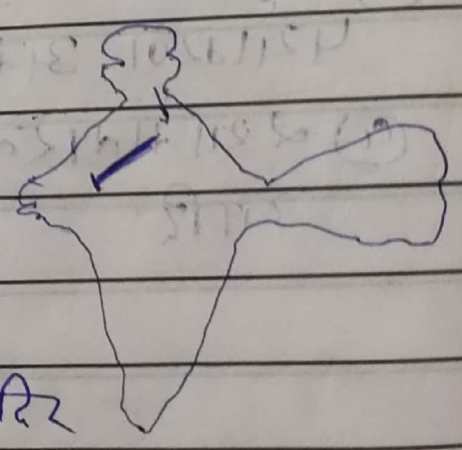
दिलवाड़ा का जैन मंदिर

□ □

→ माऊंट आबू व गुरु शिखर के बीच

भोरस घाट दर्रा

→ यह प्रायद्वीपीय पठार का ही विस्तार है



→ बलहियाक - राजस्थान के

शुष्क बलवा कु ओकर व

गंगा के मैदान के के

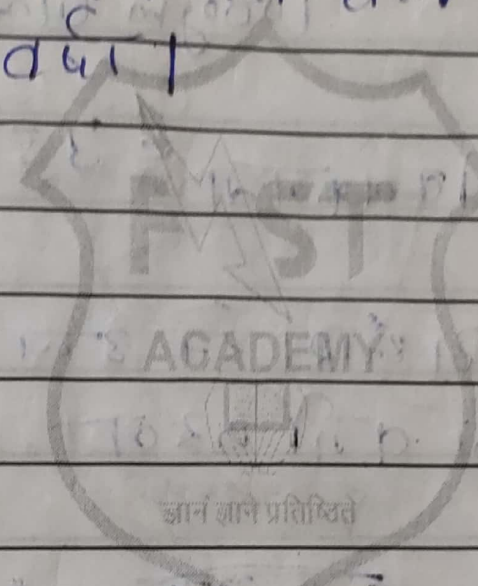
मध्य

→ अश्वलागद की मानसूत्री - शाखा

अरावली के खमी मानसूत्री प्रवाहित

असलूची मही, घेरी 60 एमपे

कम वर्षा।



AGADEMY

ज्ञान ज्ञाने प्रतिष्ठिते



3

D

महासागरीय लवणता

जल में उपस्थित लवणों का योग

का भार तथा जल के प्रति इकाई

जल के भार का अनुपात

लवणता

महासागरीय जल के लवणों

की मात्रा

35‰

1000g जल में

इसलिए

महासागरीय लवणता

= 35‰

निम्न से उच्च अंशों के

महासागरीय लवणता का वर्गीकरण

31-32%

ध्रुवीय

32-33%

उपध्रुवीय

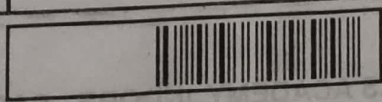
अधिक लवणता

34-35%

उपोष्ण

33-34%

सिखरीय



Fill question number and subsection number inside the boxes  
बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

□ □	<p>1) महाप्राणरीय लवणता को नियंत्रित करने वाले कारक</p>
□ □	
□ □	<p>तापमान वर्षा की मात्रा वहियां द्वारा गलन हिम घाव</p>
□ □	<p>वाष्पीकरण शुद्ध पानी</p>
□ □	<p>(1) <u>तापमान</u> - सर्वाधिक तापमान वाले</p>
□ □	<p>विद्युल क्षेत्र में लवणता अधिक → वाष्पीकरण अधिक</p>
□ □	<p>परन्तु - वर्षा द्वारा पानी के सर्वाधिक लवणता</p>
□ □	<p>उपोष्ण उच्च वायु दाब कलिबेध क्षेत्र में</p>
□ □	<p>(2) <u>वर्षा</u> - वर्षा द्वारा शुद्ध पानी की</p>
□ □	<p>दुर्लभता से यदि शुद्ध पानी महाप्राणरीय लवणता में लवणता की मात्रा कम होती है</p>
□ □	<p>(3) <u>हिम गलन</u> - शुद्ध पानी की दुर्लभता</p>
□ □	<p>(4)</p>

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line  
इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें



□ □

5) महासागरीय व महासागरीय जल

□ □

जल धाराएँ - धारायें ~~महासागरीय~~

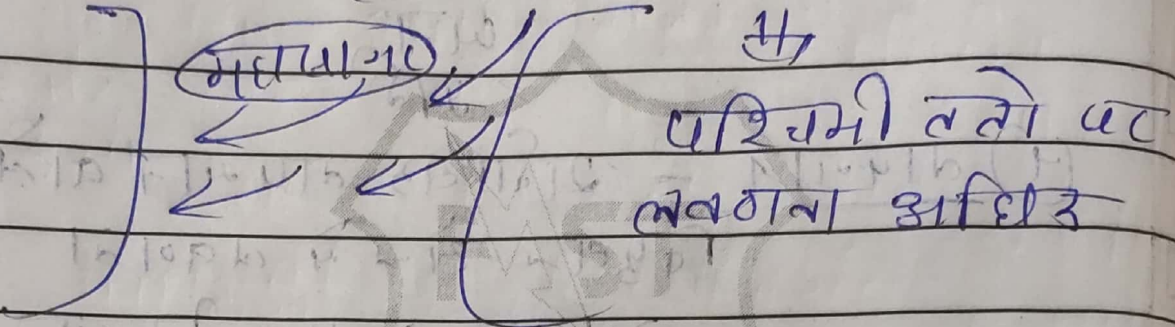
□ □

उत्तरी जल धारा - पश्चिमी

□ □

महासागरी के पूर्वी तट से जल बहाउर ले जाती है

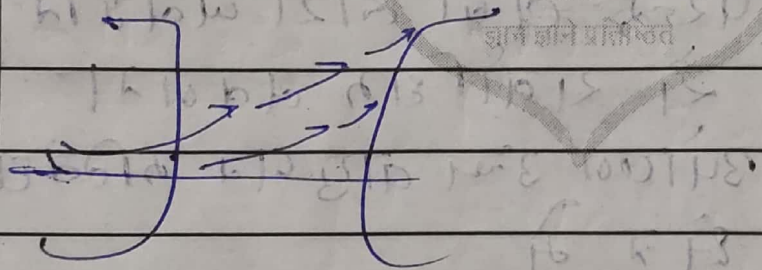
□ □



□ □

उत्तरी जल धाराएँ => पूर्वी तट पर लवणता अधिक

□ □



□ □

6) ~~बहु~~ भूमंडलीय पवनें - महासागरीय जल के प्रवाह को निर्धारित करती हैं

व्यापारिक पवनें ले - महासागर के पूर्वी प्रभावित क्षेत्र

तट पर लवणता कम

□ □

पड़ुआ पवनें - पश्चिमी तट पर

□ □

लवणता अधिक

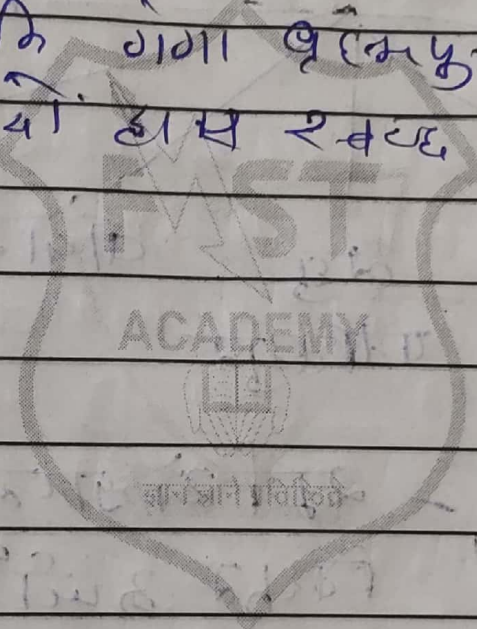
□ □



इस प्रकार महाशरीय लवणा को  
उत्तर से उत्तर मित कर निर्धारित  
करते हैं बिरम में तालमान के अतिरिक्त  
वाष्पीकरण, बढियों द्वारा अवसाद  
जाया, शब्द व्यत की बर्ति

उदा - बेंगाल की खाड़ी की लवणा  
अरब सागर को कम है

क्योंकि गंगा वृक्षयुक्त जमी  
बढियों द्वारा शब्द व्यत की बर्ति



Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line.  
इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

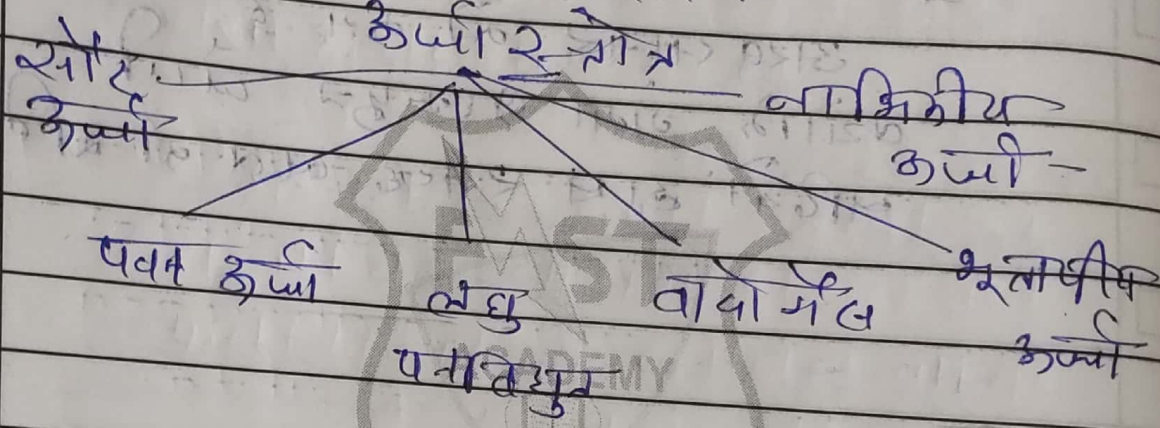


sub-section number inside the boxes  
क्रमिक तथा उपक्रमिक अंकित करें

3(c)

गौर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों की  
वर्गीकरण करनी है ऊर्जा स्रोतों की कहते हैं  
इन स्रोतों की ऊर्जा यद्यपि अपेक्षाकृत  
महंगी होती है

प्रमुख गौर परम्परागत  
ऊर्जा स्रोत



① सौर ऊर्जा - सूर्य से प्राप्त ऊष्मा ऊर्जा को  
विद्युत ऊर्जा में बदलना  
→ अक्षमाल्य ० ५  
→ प्रदूषण मुक्त है

② पवन ऊर्जा - पवनो ~~का~~ प्रयोग कर  
करके घुमाना व विद्युत  
ऊर्जा से विद्युत ऊर्जा बनाया  
→ महंगी तकनीक  
→ प्रदूषण मुक्त  
→ धरतुपक्षियों को घनिष्ठ रख



Fill question number and subsection number inside the boxes  
बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

③ लघुपनविद्युत <sup>दोरी</sup> → पलविद्युतपरियोजना  
विचार मिलान  
रानी

④ वायुगैल - वायु वर्ध पदार्थों का उपयोग  
से वायु गैल उत्पादन

⑤ भूनापीय ऊर्जा → पृथ्वी आंतरिक ऊर्जा का  
उपयोग करके  
स्वच्छ व पर्यावरण निरक्षी

⑥ नाभिकीय ऊर्जा → विना पर्यावरण प्रदूषण  
के नाभिकीय पदार्थों  
यूरेनियम, प्लूटोनियम आदि  
का उपयोग → ऊर्जा का उत्पादन

वर्तमान में 60% से अधिक  
ऊर्जा का उत्पादन परंपरागत ऊर्जा  
स्रोतों से प्राप्त होती है  
जो कि धीरे धीरे  
क्षय हो रहे हैं  
कोयला  
पेट्रोलियम  
प्राकृतिक गैस

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line  
इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Fill question number and subsection number inside the boxes  
 बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

ANSWER BOOK  
 उत्तर पुस्तिका

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	और परवरागत ऊर्जा स्रोतों की आवश्यकता -
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(1) उपलब्ध परंपरागत ऊर्जा के संसाधनों का निश्चित अंतरालों आते-जाते समय में समाप्त करना धारणीयता हेतु उचित संरक्षण आवश्यक है
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(2) परंपरागत ऊर्जा स्रोतों से अत्यधिक वास्तविक दुर्घटना फलस्वरूप -> प्रदूषण, चामिंग, जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक आपदाएँ
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(3) बड़े-बड़े-वाहों के निर्माण से - अत्यधिक धरा की लय - लोगों का विस्थापन व पुनर्वास - प्राकृतिक संपत्तियों का दूषन - आवासों की नष्ट होना - जीव-संरक्षकों व पर्यावरण पर दुष्प्रभाव
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	

Fill question number and subsection number inside the boxes  
बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(1) नदी घाटी परिवर्धनात्मक भू रूप आने की संभावना रहती है
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(2) कोयना माधारित नाप विद्युत ऊर्जा से लौकिक संसाधन उत्पादन होगा
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(3) भारत टिकाऊ विकास से 2022 उत्पादन कम करना एवं 100 गैर-पीवाशम उत्पादों का उत्पादन 40% से अधिक करना है
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	परन्तु गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों के प्रयोग चुनौतियाँ हैं -
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(4) मांग अनुसार पर्याप्त उत्पादन नहीं हो पाता है
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(5) विदेशी वंशिकी क्षेत्र की कृषि का कम
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(6) ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत चोरी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(7) अल्पसंख्यक संरक्षित क्षेत्रों की
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(8) अभी अनुसंधान की आवश्यकता है

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line  
इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

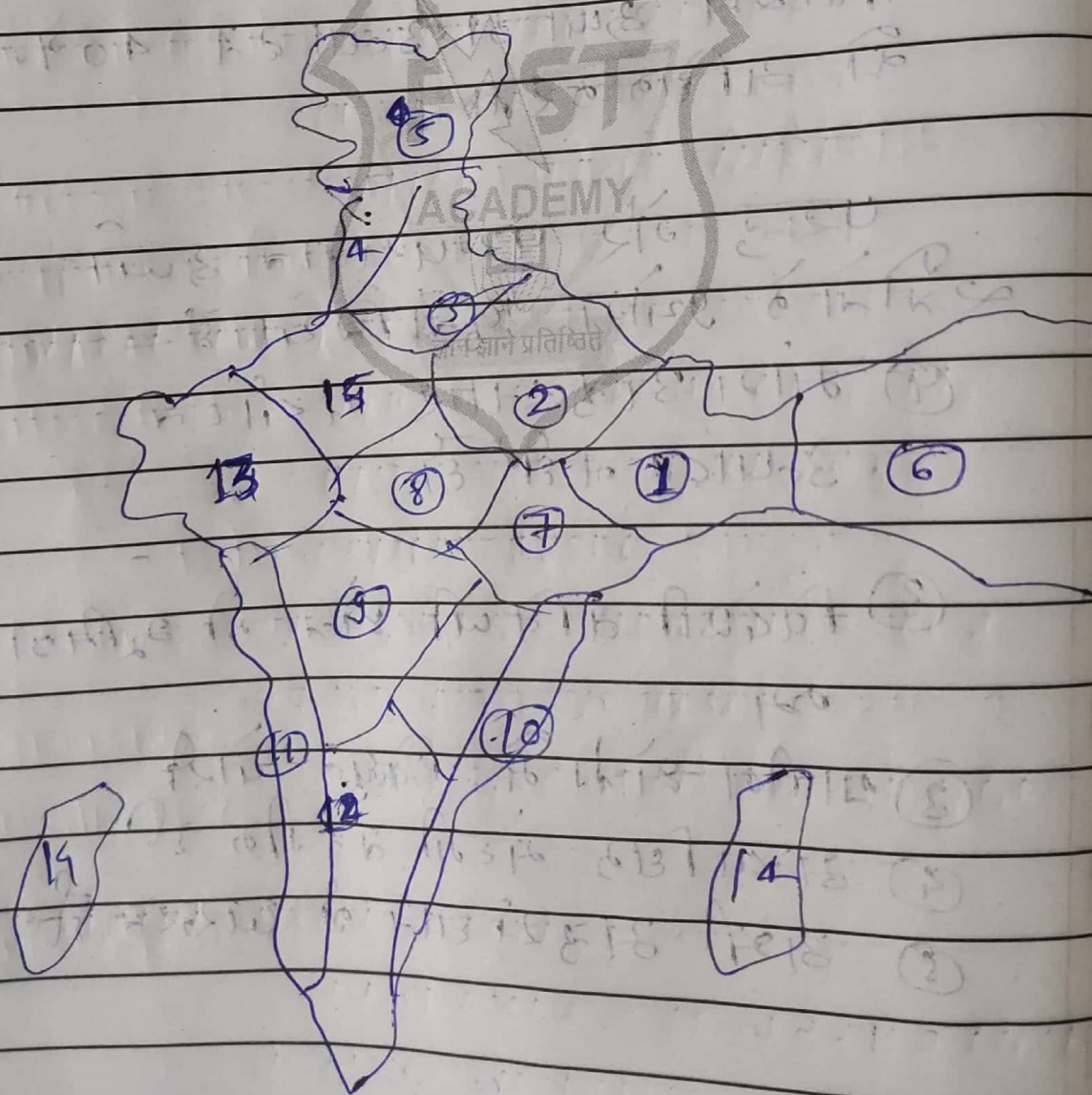


# ANSWER BOOK उत्तर पुस्तिका

Fill question number and subsection number inside the boxes  
बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

3(1)

भारत में तापमान, वर्षा, पानी  
उपलब्धता, मिट्टी, अपभ्रंशकार  
पानी वृक्ष वृद्धि के अंतर्गत  
तथा क्षेत्र विशेष की पर्यावरणीय  
समस्याओं के आधार पर  
15 वृक्ष प्रजातों के प्रदर्शन में  
वर्गीकरण किया गया है



ANSWER BOOK  
उत्तर पुस्तिका

Question number and subsection number inside the boxes  
प्रश्न में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

~~पृष्ठ~~ कृषि जलवायु क्षेत्र

① पूर्वी गंगा का मैदान -  $100-120$  लक्ष वर्ग मीटर

(कि.मी.)  $\rightarrow$  एक लाख वर्ग मीटर  $\rightarrow$  100-120 लक्ष वर्ग मीटर

~~पश्चिमी गंगा का मैदान~~ पश्चिम बंगाल, विहार

② मध्य गंगा का मैदान - उत्तर प्रदेश

का मध्य भाग

③ उत्तरी गंगा का मैदान -  $100$  लक्ष मीटर

④ प्रदेश - उत्तर पश्चिमी उत्तर प्रदेश

पंजाब, हरियाणा,

पुरानी  $\text{100}$  लक्ष वर्ग मीटर

ए.पी. 200 लक्ष वर्ग मीटर

④ पूर्वी हिमालय -

- उत्तर पूर्वी प्रदेश -

- असम, मेघालय, त्रिपुरा,

मिज़ोरम

- लंबा  $200$  लक्ष

- अधिकांश - पर्वतीय मही

⑤ पश्चिमी हिमालय - पश्चिम, उत्तर

हिमालय, उत्तराखण्ड

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Do not write beyond this line  
इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें

Leave Blank  
रिक्त छोड़ें



1. दक्षिण गंगा का मैदान - ...

- पंजाब, हरियाणा का क्षेत्र

- राजस्थान का क्षेत्र

- उत्तराखण्ड का क्षेत्र

2. दक्षिण पंजाबी क्षेत्र -

- दिल्ली, हरियाणा, दिल्ली सगर,

- बिहार का पश्चिमी भाग

- दसतारणा क्षेत्र

- लंबा 100-120 km

- लाल चूनी मिट्टी

3. मध्य पंजाबी क्षेत्र

- मध्य, दिल्ली सगर का मैदान,

- मध्य भारत का पंजाब,

- मेवाड़ पंजाब

- गुजरात व राजस्थान का क्षेत्र

- 80-100 km लंबा

- अनोद, कपासी / काली मृदा

4. दक्षिण पंजाबी व पहाड़ी -

- पश्चिमी क्षेत्र - बलेश्वर मिट्टी

- काली चूना मयराष्ट्र व मिनाइ



ANSWER BOOK  
उत्तर पुस्तिका

Question number and subsection number inside the boxes  
प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

कैरल १ ब

कावी १ लो ले रे राइट मिडी

वागमी फलना - चाय, कदा, १

७) श्री तृतीय मैदान -

→ उकल, अंधा, व मोरोमाल

- उडीशान आधुपदेश

तमिल नाडू का तृतीय भाग,

- कृषि की इतिहास से उपजाऊ

कृषिवा गोदावरी महानदी का

ए अपवाद क्षेत्र

८) पश्चिमी तृतीय - तृतीय इवड खावड पश्चिमी  
मैदान अधिक लक्ष्य

- वनी लक्ष्य

- कृषि के अधिक उपयुक्त नदी

९) पश्चिमी शुष्क क्षेत्र -

- पश्चिमी घाट पर्वत का वृष्टि छाया

क्षेत्र १ वही अत्यधिक कम

- लाल मिट्टी





Fill question number and subsection number inside the boxes  
बॉक्स में प्रश्न क्रमांक तथा उपक्रमांक अंकित करें

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(14) गुजरात का वहीप में द्वीप - 2
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	काली मिट्टी प्रधान कपास, मूँगफली की लबी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	दमकन पहाड़ी श्रेणी का हिस्सा
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(15) द्वीपीय प्रदेश - 3
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- अठमान निकोबार द्वीपसमूह
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- लक्षद्वीप
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- मंगरोव वनस्पति
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- पीर मिट्टी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(15) शुष्क मरुस्थलीय प्रदेश
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- राजस्थान का पश्चिमी भाग
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	गुजरात का उत्तरी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- पंजाब हरियाणा का पश्चिमी भाग
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- खलुई मिट्टी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- लवणीय मिट्टी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- 75 cm से कम वर्षा
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	

